S-615 Roll No. ……..

BAJY–302

मेलापक एवं विवाह मुहूर्त विचार

कला में स्नातक (ज्योतिष) बी. ए.-12/16/17

तृतीय वर्ष, सत्र 2018

समय : 3 घण्टा पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख', तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों का चयन करना है।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. वधू प्रवेश काल एवं मुहूर्त्त का वर्णन कीजिए।
2. कन्या एवं वर वरण मुहूर्त्त का विस्तृत विवेचन कीजिए।
3. त्रिबल शुद्धि को बताते हुए विवाह के प्रयोजन एवं लग्न के महत्व को लिखिये।
4. प्रश्न लग्न से विवाह योग एवं वैधव्य योग का विस्तृत विवेचन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. द्विरागमन में सम्मुख शुक्र विचार एवं सम्मुख शुक्र के परिहार को लिखिए।
2. विवाह प्रयोजन को लिखते हुए प्रश्न विधि को लिखिए।
3. वैधव्य योग के परिहार को लिखिए।
4. विवाह मुहूर्त्त को लिखिए।
5. विवाह संस्कार में उपयुक्त मासों को लिखिए।
6. ग्रह मैत्री का निरूपण कीजिए।
7. नाड़ी विचार का विवेचन कीजिए।
8. मेलापक में भकूट दोषों का विवेचन कीजिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. शुक्र सम्मुख हो तो नवविवाहिता के पतिगृह जाने से होता है :
   (अ) पुत्र का नाश होता है।
   (ब) वन्ध्यापन
   (स) गर्भ नष्ट होता है।
   (द) पुत्रवती होती है।

2. द्विरागमन शुभ होता है :
   (अ) सम वर्षों में
   (ब) विषम वर्षों में
   (स) सम मासों में
   (द) विषम दिनों में

3. गुरु की उच्च राशि है :
   (अ) मेष
   (ब) वृष
   (स) धनु
   (द) कर्क

4. प्रश्न काल में चन्द्र एवं शुक्र विषम राशियों एवं विषम नवमांश में हो तो कन्या को :
   (अ) पुत्र प्राप्त होता है।
   (ब) पुत्री प्राप्त होती है।
   (स) वर की प्राप्ति होती है।
   (द) पुत्र एवं पुत्री दोनों प्राप्त होते हैं।

5. सूर्य की शुद्धि आवश्यक होती है :
   (अ) कन्या के विवाह में
   (ब) वर के विवाह में
   (स) मुण्डन में
   (द) उपनयन में

6. जलचर राशि है :
   (अ) वृश्चिक
   (ब) मेष
   (स) मकर
   (द) धनु

7. भकूट की गुण संख्या होती हैं :

(अ) 9

(ब) 5

(स) 8

(द) 7

8. नाड़ी के कितने भेद हैं ?

(अ) 5

(ब) 4

(स) 3

(द) 7

9. किस ग्रह के कोई शुत्र नहीं हैं ?

(अ) सूर्य

(ब) बुध

(स) शनि

(द) चन्द्रमा

10. 'मुहूर्त्त चिन्तामणि' ग्रन्थ के लेखक हैं :

(अ) श्रीराम दैवज्ञ

(ब) केशव दैवज्ञ

(स) वराह

(द) भास्कराचार्य